DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI
SATURDAY, OCTOBER 29, 2022

NAME OF NEWSPAPERS----------DATED----------

Before Chhath, LG urges CM to clean up Yamuna

Sanjeev Rastogi

SPRUCED UP: Preparations going on for the Chhath Puja at a ghat near ITO on Friday

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: Expressing concern over pollution and the presence of toxic froth in Yamuna, where a large number of devotees are expected to offer prayers to the Sun during Chhath Puja, lieutenant governor VK Saxena has urged chief minister Arvind Kejriwal to address the issue urgently.

With a large number of people gathering at various places for the three-day festival, the LG on Friday wrote to Kejriwal asking him to take sufficient measures to ensure that the devotees went to the ghats in a "clean, conducive, safe and secure" environment. He added that lakhs of people would be gearing up for celebrating Chhath across Delhi after two years of restrictions imposed on festivities due to the Covid-19 pandemic.

"It goes without saying that requisite safety measures need to be put in place at all puja ghats, including marking of danger zones, barricading of deep waters to avoid any untoward incident, adequate lighting, deploying divers and rescue boats. ...foam/pollution in Yamuna is of grave concern and, if left unattended, may prove to be injurious to devotees," the LG said.

Delhi government claimed it had set up 1,100 ghats to facilitate people to offer prayers and had put in place adequate arrangements in coordination with revenue and irrigation and flood control departments, Delhi Jal Board, civic agencies and police.

The LG stressed upon creating awareness among people to follow environment-friendly behaviour by prohibiting single-use plastic, methodical disposal of waste, waste collection measures, etc at the ghats.

At some designated ghats, like Bhalswa lake, Wazirabad-Sonia Vihar, Badli, Bawana Industrial Area, Maidan Garhi, Kalindi Kunj, Budh Bazar-Uttam Nagar, a large congregation of devotees ranging from 10,000 to 4,00,00 was expected. Proper planning for crowd management and securing law and order was already discussed with Delhi Police.

New Delhi Municipal Council, Municipal Corporation of Delhi and Delhi Development Authority have also been directed to ensure cleanliness and make arrangements for other amenities under their jurisdiction.

AAP chief spokesperson Saurabh Bharadwaj said he read the letter multiple times to understand what the LG was trying to say, but failed. "He has just gone on to dictate some very generic facts. These things are always done during the festive season by Delhi government," he added.

Bhardwaj said the LG was suffering from "compulsive publicity disorder" and was writing "love letters" to Kejriwal to get media coverage. "The way he disrespects the CM through these love letters is bringing down the dignity of his office," said Bharadwaj.

Meanwhile, revenue minister Kailash Gahlot visited Hathi Ghat near ITO to take stock of the preparations. He interacted with the devotees and locals and said, "I have held several meetings with MLAs, Chhath Puja committees and officials. I have instructed officials that devotees should not face any inconvenience."

Chhath a dry day, declares Saxena

Lieutenant governor V K Saxena using his special powers has declared Chhath a 'dry day' and has also written a letter to chief minister Arvind Kejriwal asking him to deal with the issue of toxic froth in Yamuna before the festival on Sunday. The LG, in a first, declared Chhath on Sunday as dry day ensuring that all the liquor shops in the city remain closed on the festival. The LG in his capacity as "government of Delhi as per section 2 (35) of Delhi Excise Act has declared dry day on Chatth," an official at the LG office said. PTI

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

। नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली
। शनिवार, 29 अक्टूबर 2022

NAME OF NEWSPAPERS----------DATED----------

'मैंगो ऑर्चर्ड पार्क' नाले में बदला

महरौली स्थित अंधेरिया मोड़ के पास बने पार्क का बुरा हाल

■ अश्वनी शर्मा, अंधेरिया मोड़

बेहतर देखरेख नहीं होने से बदहाल होता जा रहा है पार्क

साउथ दिल्ली के महरौली स्थित अंधेरिया मोड़ पार्ट-3 का 'मैंगो ऑर्चर्ड पार्क' नाले में तब्दील हो गया है। लोगों की मानें तो इस पार्क में लोगों की जगह अब पशु घूमते व नहाते हैं। यह पार्क कई एकड़ में फैला हुआ है। लेकिन ठीक से देखरेख न होने के कारण बदहाली का शिकार हो गया है। पार्क के अंदर कॉलोनी व सीवर का गंदा पानी नदी की तरह बहता है। ऐसे में सीवर के गंदे पानी से उठती बदबू में यहां के लोग रहने को मजबूर हैं। लोगों ने इस समस्या को लेकर कई बार संबंधित अधिकारियों को मौखित व लिखित शिकायत दी। लेकिन अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया। नतीजन यह पार्क नाले में तब्दील हो गया। स्थानीय निवासी आशीष जयसवाल ने बताया कि महरौली स्थित अंधेरिया मोड़ पार्ट-3 के पास बना यह पार्क डीडीए का है। इस पार्क का नाम 'मैंगो ऑर्चर्ड पार्क' है। पहले इस जगह को 'आम वाला बाग' कहा जाता था। यहां पहले बहुत सारे आम के पेड़ हुआ करते थे। यहां की आबादी करीब सवा लाख के करीब है। मैंगो ऑर्चर्ड पार्क कई एकड़ में फैला हुआ है। अन्य पार्कों के मुकाबले इस पार्क में खूब हरियाली है। पार्क में ओपन जिम भी है। लेकिन देखरेख के अभाव में पार्क बदहाली का शिकार हो गया है।

गंदा पानी भरा होने से पार्क के पौधे भी हुए खराब

स्थानीय निवासी नदीम सैफी ने बताया कि कुछ समय राहत पाने के लिए लोग पार्कों में आते है। लेकिन यहां भी गंदगी मिलती है। पार्क में सीवर के बह रहे गंदे पानी से बहुत तेज दुर्गंध उठती है। जिससे यहां एक मिनट भी खड़ा होना मुश्किल होता है। स्थानीय निवासी गगन कौशिक ने बताया कि गंदे पानी की वजह से पार्क में रुकना दूभर हो गया है। लोग इसी पार्क में आकर खुली हवा में सांस लेते थे, लेकिन पार्क में नदी की तरह बह रहे गंदे पानी से लोगों को दिक्कत हो रही है। गटर और सीवर के पानी की वजह से पार्क में गंदगी का अंबार लग गया है। गंदे पानी की वजह से पार्क में लगे पेड़-पौधे भी खराब हो रहे हैं। लोग पार्क में घूम-फिर भी नहीं पा रहे। खासकर बुजुर्ग और बच्चे इस गंदगी से ज्यादा परेशान हैं। वहीं प्रशासन के संरक्षण में कुछ लोग इस पार्क में भैसों को टहलाते है। भैंस पार्क में बने नाले में घुसकर इधर-उधर गंदगी फैलाते है। पार्क में इस तरह खुले जानवरों के घूमने के डर से लोग अपने बच्चों को पार्क में नहीं भेजते।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

। नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । शनिवार, 29 अक्टूबर 2022

NAME OF NEWSPAPERS----------DATED----------

छठ को LG ने ड्राई डे घोषित किया, यमुना के प्रदूषण पर चिंता जताई

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

छठ पूजा को लेकर दिल्ली के उप-राज्यपाल और दिल्ली सरकार के बीच एक बार फिर खींचतान की स्थिति पैदा हो गई है। दिल्ली सरकार की कार्रवाई का इंतजार किए बगैर शुक्रवार को एलजी ने खुद ही एक्साइज एक्ट के तहत मिले अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए 30 अक्टूबर को छठ पर्व के अवसर पर दिल्ली ड्राई डे घोषित कर दिया।

पूजा को लेकर LG ने सीएम को लिखा पत्र

दावा किया जा रहा है कि दिल्ली में पहली बार छठ पूजा पर ड्राई डे घोषित किया गया है और पहली बार एक्साइज विभाग के बजाय खुद एलजी ने ड्राय डे की घोषणा की है। दो दिन पहले ही दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष अनिल चौधरी ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर छठ पर ड्राई डे घोषित करने की मांग की थी। शुक्रवार को ही दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने भी सीएम को चिट्ठी लिखकर यही मांग दोहराई थी और शाम को एलजी ने ड्राई डे घोषित कर दिया। छठ पूजा पर ड्राय डे घोषित हो जाने से अब रविवार को दिल्ली में शराब के ठेके बंद रहेंगे और रेस्टोरेंट्स व अन्य जगहों पर भी शराब परोसने पर पाबंदी रहेगी।

> आप ने कहा, एलजी पत्रों के जरिए सीएम का अनादर करते हैं

इससे पहले दोपहर में एलजी ने छठ पूजा के इंतजामों को लेकर सीएम अरविंद केजरीवाल को एक चिट्ठी भी लिखी। इसमें उन्होंने छठ पूजा के लिए तैयार किए जा रहे घाटों पर सफाई व्यवस्था और क्राउड मैनेजमेंट समेत सभी जरूरी इंतजाम किए जाने को लेकर सरकार को उसकी जिम्मेदारियों से अवगत कराया। साथ ही यमुना में प्रदूषण को लेकर चिंता भी जताई और इसे ठीक करने के लिए तुरंत जरूरी उपाय करने के लिए कहा।

एलजी ने दिल्ली सरकार के तमाम विभागों के बीच तालमेल को बढ़ाने के साथ-साथ डीडीए, एनडीएमसी, दिल्ली पुलिस जैसे उन विभागों का भी जिक्र किया, जो सीधे उनके अंडर में आते हैं। एलजी ने छठ पूजा के लिए इन विभागों की तरफ से किए जा रहे इंतजामों और कामों को भी गिनाया और उम्मीद जताई कि दिल्ली सरकार के सभी विभाग भी काम ठीक से करेंगे और घाटों पर सभी जरूरी इंतजाम किए जाएंगे। एलजी की इस चिट्ठी पर आप की तरफ से कड़ी प्रतिक्रिया आई।

आप विधायक सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली के उप-राज्यपाल को छपास की बीमारी हो गई है। अखबार में रोज अपना नाम छपवाने के लिए वह मुख्यमंत्री को पत्र लिखते रहते हैं। अब छठ पूजा पर भी वह आखिरी वक्त में पत्र लिख रहे हैं, ताकि उनकी खबर या तस्वीर छप जाए। उस पत्र में भी कोई खास बात नहीं लिखी है। इंतजामों को लेकर सामान्य बात लिखी है, जो दिल्ली सरकार हर बार ही करती आ रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में जबसे आम आदमी पार्टी की सरकार बनी है, तभी छठ का कार्यक्रम बड़े स्तर पर कराया जाता है।

इसके बावजूद छठ पूजा को लेकर एलजी ने पत्र लिखा है। जिस तरह एलजी पत्रों के जरिए सीएम का निरादर करते हैं, उससे वह एलजी कार्यालय की गरिमा को गिराते जा रहे हैं।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

SUNDAY TIMES OF INDIA, NEW DELHI
OCTOBER 30, 2022

Hindustan Times

NAME OF NEWSPAPERS----------DATED----------

NEW DELHI
SUNDAY
OCTOBER 30, 2022

Gahlot visits Bhalswa lake, LG says cleaned on his order

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: Delhi revenue minister **Kailash Gahlot** on Saturday visited Bhalswa lake to take stock of Chhath Puja arrangements. "I have inspected Chhath Ghats at many locations in Delhi. I have met the devotees and members of Chhath Puja Committees, and everyone seems very satisfied with the arrangements made by the Delhi government," Gahlot said after the visit.

This year, the Delhi government is organising the Chatth Puja at 1100 sites. In Delhi, the revenue department is the nodal department for the celebrations.

LG Vinay Kumar Saxena also reached the spot and said that he earlier directed the Delhi Development Authority to clean the banks, which have happened now. He also visited the Bhalswa lake riverbank and inspected the arrangements for the Chhath Puja.

"Took stock of cleaning of the ghats on Bhalswa Lake for

Chhath Puja today. Had earlier visited on October 15 and instructed DDA to clean the banks. Sharing some 'then and now' pictures. Look forward to a cleaner Chhath for Devotees this year and rejuvenation of the Lake in near future," Saxena said in a tweet with pictures of the riverbank being cleaner since his last visit to the site.

Meanwhile, Gahlot after going to Bhalswa lake also inspected the riverbanks at Keshav Puram, and Bajrangi Ghat in Burari ghats at Aya Nagar. "Due to the Corona pandemic, we could not celebrate Chhath Puja properly for the last two years but as the situation is under control this year, the Delhi government is organising a grand celebration of Chhath Puja at 1100 different Ghats across Delhi. Chief minister Arvind Kejriwal is personally monitoring the entire arrangements to ensure devotees face no inconvenience," he said.

According to officials, the revenue department is making the necessary arrangements for tentage and electrical items such as tents, chairs, tables lighting, sound system, CCTV, LED screens, power backup, and so on at all the puja sites.

Furthermore, the department will ensure the provision of the other required facilities in coordination with other departments of the Delhi government for water, power, and sanitation arrangements.

As per officials, the Delhi government has grown the celebration of Chhath Puja from 69 sites in 2014 to 1100 sites and increased the budget 10 times from Rs 2.5 crore in 2014 to approximately Rs 25 crore this year.

Preparations in focus ahead of Chhath puja

HT Correspondent
letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: Ahead of Chhath puja celebrations in Delhi on Sunday, Delhi revenue minister Kailash Gahlot and lieutenant governor Vinai Kumar Saxena separately inspected preparations at Bhalswa Lake, which is expected to host several devotees during the festival.

In a tweet, Saxena on Saturday said he instructed Delhi Development Authority officials to clean the banks of the lake.

"Look forward to a cleaner Chhath for devotees this year & rejuvenation of the lake in near future," he added.

Gahlot, meanwhile, inspected several Chhath Puja ghats including ones at Bhalswa Lake,

Chhath preparations at the ITO Ghat. RAJ K RAJ/HT

Keshav Puram, Wazirpur, Parshuram Enclave and Aya Nagar.

The revenue minister said he visited six sites on Saturday.

"Bhalswa lake has six different ghats and a large number of devotees are expected to visit this spot. The Delhi government has made large-scale preparation for this festival," he added.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS---HE TIMES OF INDIA, NEW DELHI MONDAY, OCTOBER 31, 2022---DATED---

On A Wind And A Prayer In War On Pollution

586 Teams To Inspect C&D Violations, Diesel Vehicles From NCR Are Adding To Bad Air: Rai

'Machines bought with central aid to manage crop residue lie idle in Punjab'

FIGHTING BAD AIR

Photo: Rajesh Mehta

Delhi currently has **521** water sprinklers, **223** anti-smog guns and **150** mobile anti-smog guns operational

AQI ON SUNDAY 352, VERY POOR

Gopal Rai blames RRTS project and diesel buses plying from other states as the reasons for **'severe' AQI in Anand Vihar and Vivek Vihar**

15 anti-smog guns in those areas, in addition to seven water sprinklers of the MCD

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: Environment minister Gopal Rai on Sunday said he has constituted 586 teams to inspect violations related to construction-and-demolition (C&D) activities across the city and ensure that the ban is implemented properly. Rai reiterated that C&D activities have been banned in the city as part of the pollution-control measures under the Graded Response Action Plan (GRAP). Rai cited the Regional Rapid Transit System project and diesel buses plying from other states as the reasons for "severe" AQI in east Delhi's Anand Vihar and Vivek Vihar.

Urging the Uttar Pradesh government to use CNG buses in the National Capital Region, Rai said that diesel-run buses have a big role to play in the high levels of pollution at the Delhi-UP border.

LET DELHI BREATHE

PLEDGE TO SUPPORT THE CAUSE

www.letourcitybreathe.com

He pointed towards the forecast that wind speed and direction will become unfavourable from November 1, which may push AQI into the "severe" category, due to which the Commission for Air Quality Management (CAQM) has directed enforcement of GRAP Stage-III measures. GRAP Stage-III calls for a strict ban on C&D activities in NCR, except for essential projects and non-polluting activities, such as plumbing, carpentry, interior decoration and electrical works.

"We held a meeting with all construction agencies in the capital and government departments concerned, including PWD, MCD, railways, DDA and the Delhi Pollution Control Committee. We have decided to implement the ban on C&D activities in the city. The government has prepared a strong monitoring system to ensure compliance with the directions. It has set up 586 teams comprising officials of different departments," Rai said.

Vishwa.Mohan@timesgroup.com

New Delhi: Deploying farm equipment or machines to deal with the problem of stubble burning is considered one of the key interventions to check air pollution in Delhi-NCR, but an assessment by the environment ministry has found that the method has not been utilised properly in Punjab — the state which was given 47% of the total financial assistance of over Rs 2,440 crore released during 2018-19 to 2021-22 under a central scheme to manage crop residue.

During the September 15-October 28 period this year, a total of 10,214 paddy residue burning events have been reported in Punjab compared to 7,648 for the same period during the last year, marking a significant increase of about 33.5%. Out of the total 10,214 reported cases, 7,100 such incidences (about 69%) have been reported in the last seven days alone.

Emphasising how it turned out to be a "serious drain on the resources" of the state where a substantial amount of the central assistance was spent on procuring farm equipment, the ministry in its note, circulated internally as part of review process, stated that the utilisation of the available machinery has been "very poor" in the state and "large number of machines have been allowed to remain idle".

A total of more than 1.2 lakh machines, procured under the scheme, are currently available in Punjab. Besides happy seeders for in-situ management of paddy stubble, the supplied machines also include balers and rakes used for collection of straw in the form of bales for ex-situ utilisation of crop residue.

Stubble burning contributes 10-13% to hazardous particulate matter (PM2.5) in the capital during winter with peak contribution going up to as high as 48%.

Photo for representation

PLENTY OF FIRE AND SMOKE

Analysing what went wrong in the state despite constant follow up of the central scheme and other interventions, the ministry found that despite successful field experience with application of Pusa bio-decomposer for in-situ management of stubble in Uttar Pradesh and Delhi, no efforts were made in Punjab for employing this "effective technique" for management of stubble.

"Even the corporate social responsibility (CSR) initiative by private organisation for bio-decomposer application was not facilitated in Punjab," said the note on the ministry's assessment.

Fund disbursement of last four years (2018-19 to 2021-22) shows that Punjab received the highest Rs 1,147 crore followed by Haryana (Rs 693 crore) and Uttar Pradesh (Rs 534 crore). While the Indian Council of Agricultural Research (ICAR) and other central agencies got Rs 61 crore for various activities on managing crop residue, the remaining nearly Rs 5 crore was released for Delhi.

Punjab had been in the Centre's firing line even during a formal inter-ministerial meeting that was held to review the overall situation of stubble burning in Delhi-NCR a few days ago when the agriculture minister Narendra Singh Tomar even suggested fixing accountability of district collectors for their inability to deal with the problem.

About 71% of farm fires during the current paddy harvesting season have been reported from just seven districts of Punjab — Amritsar, Sangrur, Firozpur, Gurdaspur, Kapurthala, Patiala and Tarn Taran. These districts have been traditional hot-spots in the state.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

THE INDIAN EXPRESS, MONDAY, OCTOBER 31, 2022

NAME OF NEWSPAPERS----------DATED----------

AQI REMAINS 'VERY POOR' ON SUNDAY

In capital, 586 teams deployed to monitor construction ban

EXPRESS NEWS SERVICE
NEW DELHI, OCTOBER 30

DELHI'S AIR quality saw some improvement, though it remained in the very poor range on Sunday. While the AQI value was 397 — just shy of turning severe — Saturday, it improved to 352 on Sunday.

The share of farm stubble burning in PM 2.5 concentration, however, rose to 26% from 21% a day ago. According to the System of Air Quality and Weather Forecasting and Research (SAFAR), the overall contribution of PM 2.5 was around 54%.

"Local surface winds will be blowing at a speed of around 6 to 8 km/h and temperature will be in the range of 32 to 15 degrees Celsius for the next three days. These conditions cause weak dispersion of pollutants. Low mixing height is also leading to inefficient dilution and dispersion of pollutants. The share of stubble burning emissions in PM 2.5 is 26% due to favourable winds at transport level blowing from the northwest direction. Air quality is likely to remain within 'very poor' for the next three days due to a combined effect of transport as well as local weather conditions," the SAFAR forecast said.

Delhi's AQI has been in the very poor category since Wednesday. It has not hit the severe category so far this season.

Meanwhile, the Delhi government's environment department is going to monitor the ban on construction and demolition activities that was announced on Saturday as part of stage 3 of the Graded Response Action Plan.

"As many as 586 teams have been formed to monitor the construction-demolition ban. Water sprinkling has been intensified in view of the pollution situation. A total of 521 water sprinklers, 233 anti-smog guns, and 150 mobile anti-smog guns have been deployed to tackle pollution in Delhi," Environment Minister Gopal Rai said.

Rai also appealed to the Uttar Pradesh government to avoid plying diesel buses in areas bordering Delhi. He said AQI may turn severe in the coming two-three days. "The Commission for Air Quality Management (CAQM) system had earlier announced that during this winter season, the GRAP system will be set in three days earlier based on the Air Quality Index (AQI) at the time. Right now, as per the information we are getting from experts, after November 1, the speed of the wind is likely to be in the range of 4-8 kmph, the direction of the wind is likely to turn towards the Northwest, and based on the available information, we have been told that AQI levels are likely to cross 400, which comes in the 'severe' category," he said.

He added, "Today in Delhi, we held a meeting with all stakeholders, particularly those who are engaged in the construction business — PWD, CPWD, MCD, DDA, Railways and all agencies working in the construction sites — and informed them about the ban on construction and demolition work. According to the CAQM order, we will implement all regulations for Delhi. This year, we have also worked towards ensuring better implementation of the order. In previous years, we had noticed that despite a ban being enforced, there were some sites where work was still ongoing."

521 water sprinklers, 233 anti-smog guns have been deployed to tackle pollution in Delhi. *Prem Nath Pandey*

EXPLAINED

What's allowed, what's not

As per norms, some construction activities are allowed. This includes construction work of Railways Department, work in Metro stations, airports, ISBT and its terminals and also any activity related to national security. Other exceptions include work in hospitals, construction for linear public projects such as highways, roads and flyovers, and interior work such as plumbing-related activities and other furniture-related work, Rai said. Activities that will remain banned are construction and demolition work that does not fall in the mentioned exceptions, boring and drilling, digging, movement of soil, and movement of vehicles on unpaved roads.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

Hindustan Times
NEW DELHI
MONDAY
OCTOBER 31, 2022

NAME OF NEWSPAPERS----------DATED----------

Sanjay Lake to become Capital's first wetland; 19 more water bodies in line

Risha Chitlangia and Jasjeev Gandhiok
letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: Sanjay Lake in east Delhi will become the Capital's first wetland, said state officials aware of the matter, with several other water bodies in the city set for similar protections.

The wetland tag, which ensures legal protection and funds for renovations, will be extended to at least 19 other water bodies in Delhi.

Delhi's State Wetland Authority (SWA) has identified and geo-tagged 1,057 water bodies across the Capital under the jurisdiction of various government agencies.

"The restoration plan has been reviewed by the technical committee and will be soon sent to the Delhi government to initiate the notification process," said a SWA member.

The plan will be open for comments from the public for two months, after which the wetland will be notified.

Work on notifying 19 more water bodies is in advanced stages, said the above quoted official.

"A draft notification has been prepared for eight other water bodies," said the official.

The notification will detail the geo-coordinates of each water body demarcated as a wetland and the area over which it is spread. These, officials said, will ensure the water body is not encroached upon.

Sanjay Lake, spread over 52 acres, and the 120-odd acres that surround it are under the jurisdiction of the Delhi Development Authority (DDA), which has handed the responsibility of rejuvenating and maintaining the lake to the Delhi Jal Board (DJB).

A senior DDA official said, "The lake was handed to DJB this May for desilting. The water utility will also lay a pipeline from its Kondli sewage treatment plan to fill the lake and maintain water levels. Work is likely to be finished by early next year and will cost around ₹4-5 crore."

DDA started work on restoring Sanjay Lake, in phases, in 2020.

In the first phase of the ₹1.2 crore-project, the land-owning agency has constructed an amphitheatre, walkways and cycle tracks in the area surrounding the lake.

"In the second phase, we are carrying out landscaping. We will construct walkways along the lake in the third phase. The land-owning agency plans to start a cycle-sharing project in the area as well," said a senior DDA official aware of the development.

Sanjay Lake in east Delhi. The wetland tag ensures protection and renovation funds. SANJEEV VERMA/HT

The Delhi SWA is working on notifying 20 water bodies as 'wetlands' before March next year.

"Brief documents for most of these 20 documents have already been prepared and will be passed through departments concerned before being released for a 60-day feedback period," said the official.

The list of water bodies includes Hauz Khas lake, Bhalswa Lake, Smriti Van (Kondli), Smriti Van (Vasant Kunj), Tikri Khurd Lake, Najafgarh Jheel etc.

If a water body is notified as a wetland, the wetland conservation rules allow for an integrated management plan to be prepared, which is a long-term action plan aimed at the revival, rejuvenation and protection of the wetland. "For each of these wetlands, we can then apply for funding from the Centre," a SWA official said.

Earlier this year, various agencies had requested the Delhi's SWA to delete 230 water bodies from the official list of 1,045 water bodies identified and geo-tagged by the Delhi government citing ongoing development work or existing finished structures at the spot where the water bodies once stood.

But an expert committee, constituted by SWA in April this year, recommended against this and suggested that efforts be made to recharge groundwater at these spots.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS----------DATED----------

दिल्ली : महानगर : महाकवरेज | नवभारत टाइम्स | नई दिल्ली | सोमवार, 31 अक्टूबर 2022

प्रदूषण के बिगड़ते हालात के बीच ग्रैप स्टेज-3 के प्रतिबंध लागू

दिल्ली में निर्माण कार्यों पर रोक की निगरानी करेंगी 586 टीमें

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

बढ़ते प्रदूषण की वजह से लगातार खराब होते हालात को देखते हुए दिल्ली सरकार ने राजधानी में सभी तरह के निर्माण और तोड़फोड़ के कार्यों पर रोक लगा दी है। केवल कुछ चुनिंदा प्रोजेक्ट्स को ही इस पाबंदी से छूट मिलेगी। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि सीएक्यूएम के आदेश पर दिल्ली में ग्रैप के तीसरे चरण की पाबंदियों को लागू करने का निर्णय लिया गया है। निर्माण कार्यों पर रोक की निगरानी के लिए 586 टीमें बनाई गई हैं। साथ ही 521 वॉटर स्प्रिंक्लर, 233 एंटी स्मॉग गन्स और 150 मोबाइल एंटी स्मॉग गन्स के जरिए लगातार पूरी दिल्ली में जगह-जगह पानी का छिड़काव भी किया जा रहा है।

> केवल चुनिंदा राष्ट्रीय महत्व के और अनिवार्य सार्वजनिक निर्माण को छूट

गोपाल राय ने बताया कि सीएक्यूएम ने शनिवार को ग्रैप के तीसरे चरण को लागू करने का आदेश दिया था। उसी के मद्देनजर रविवार को उन्होंने दिल्ली में कंस्ट्रक्शन गतिविधियों से जुड़ी एजेंसियों पीडब्ल्यूडी, सीपीडब्ल्यूडी, डीडीए आदि के अलावा पर्यावरण विभाग और डीपीसीसी के अधिकारियों की बैठक बुलाई थी, जिसमें ग्रैप के तीसरे चरण की पाबंदियों को लागू करने का निर्णय लिया गया है। इसके क्रियान्वयन के लिए एक मजबूत मॉनिटरिंग सिस्टम भी तैयार किया जा रहा है, क्योंकि कई बार देखने में आता है कि बैन के बावजूद निर्माण गतिविधियां चलती रहती हैं।

FILE

निर्माण कर्यों पर प्रतिबंध के आदेश की अब सख्ती से मॉनिटरिंग भी की जाएगी

राय ने बताया कि निर्माण संबंधी गतिविधियों की निगरानी के लिए कुल 586 टीमों का गठन किया है, जिनमें डीएमआरसी की 3, एनडीएमसी की 1, पीडब्ल्यूडी की 6, दिल्ली कैंटोनमेंट बोर्ड की 4, एमसीडी की 300, सीपीडब्ल्यूडी की 6, डीपीसीसी की 33, डीएसआईआईडीसी की 20, डीडीए की 33, दिल्ली जल बोर्ड की 14, राजस्व विभाग की 165 और आईएंडएफसी और एनएचआई की एक-एक टीमें शामिल हैं। ये टीमें सभी जगहों पर चल रहे निर्माण कार्यों पर नजर रखेंगी और लगातार निरीक्षण करके यह सुनिश्चित करेंगी कि साइट पर प्रदूषण से जुड़े नियमों का उल्लघंन न हो। कुछ विभागों को इस बैन से छूट भी दी जा रही है, लेकिन उन्हें भी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए ही काम करना पड़ेगा। ऐसा न करने पर यह बैन उन पर भी लागू हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि अभी जो रिपोर्ट डीपीसीसी से मिली है, उसके अनुसार आनंद विहार और विवेक विहार को छोड़कर दिल्ली के बाकी सारे पॉल्यूशन मॉनिटरिंग स्टेशंस पर एक्यूआई 400 के नीचे दर्ज हो रहा है। आनंद विहार और विवेक विहार के मॉनिटरिंग स्टेशनों पर एक्यूआई लेवल क्रमशः 440 और 408 दर्ज किया गया है। इसका कारण यह है कि एक तो इस इलाके में रैपिड रेल प्रोजेक्ट के तहत बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य चल रहा है। दूसरा, यहां बड़ी संख्या में डीजल से चलने वाली इंटरस्टेट बसें आ-जा रही हैं। इसे रोकने के लिए यहां 15 एंटी स्मॉग गन तैनात की जा रही हैं।

... लेकिन इन कामों के लिए मिलेगी निर्माण की छूट

रेलवे स्टेशन, मेट्रो, हवाई अड्डे, राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित कंस्ट्रक्शन साइट्स, अंतरराज्यीय बस अड्डे, अस्पताल, सड़क एवं राजमार्ग, फ्लाईओवर, बिजली, सीवर लाइन, स्वच्छता परियोजनाओं के लिए निर्माण संबंधी छूट रहेगी। इंटीरियर वर्क जैसे प्लंबिंग, बिजली की फिटिंग, फर्नीचर के काम के लिए भी छूट रहेगी।

इन गतिविधियों पर लगी रहेगी पूरी तरह रोक

कंस्ट्रक्शन और डिमोलिशन साइट्स पर बोरिंग, ड्रिलिंग, खुदाई और भराई के काम पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। सभी तरह के संरचनात्मक निर्माण कार्यों और ध्वस्तीकरण के काम पर भी पूरी तरह बैन रहेगा। साइट पर लोडिंग-अनलोडिंग, कच्चे माल के स्थानांतरण, कच्ची सड़कों पर वाहनों की आवाजाजी, टाइलों और पत्थरों की कटाई और घिसाई या पीसने की गतिविधियों पर पूरी तरह पाबंदी रहेगी।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

हिन्दुस्तान नई दिल्ली, सोमवार, 31 अक्तूबर 2022

NAME OF NEWSPAPERS----------DATED----------

सरकार के मंत्री-विधायकों ने भी दिया अर्घ्य

नई दिल्ली, प्रमुख संवाददाता। राजधानी में धूमधाम से मनाए जा रहे छठ पूजा में रविवार को दिल्ली सरकार के मंत्री और विधायकों ने भी शिरकत की। अलग-अलग घाटों पर जहां सुबह से ही विधायक और मंत्री पहुंचकर तैयारियों का जाएजा लिया, वहीं शाम को श्रद्धालुओं के साथ डूबते सूर्य को अर्घ्य भी दिया। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, पर्यावरण मंत्री गोपाल राय, परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत समेत कई विधायकों ने भी अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र में लोगों के साथ छठ पूजा मनाया।

उपमुख्यमंत्री पटपड़गंज स्थित छठ घाटों पर पहुंचे। उन्होंने जहां सुबह तैयारियों का जायजा लिया, वहीं शाम के समय पूजा कर रहे लोगों से मुलाकात की। सिसोदिया ने कहा कि छठी मईया सबको आगे जाने का आर्शीवाद दे। जब लोग आगे बढ़ेंगे तो देश भी बढ़ेगा। वहीं, परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने नजफगढ़ विधानसभा के जय विहार इलाके में छठ घाट पर व्रतियों के बीच पहुंकर भगवान सूर्य को जल दिया।

उन्होंने कहा कि आज मैं छठ पूजा में शामिल हुआ। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में इस बार दिल्ली में 1100 स्थानों पर पूजा का आयोजन किया गया है। छठी मईया से प्रार्थना है कि इसी प्रकार हम पूजा का बढ़िया आयोजन करते रहें। उधर, पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने पहले बुराड़ी में आप विधायक संजीव झा के साथ सूर्य को अर्घ्य दिया। उसके बाद अपने विधानसभा बाबरपुर में भी छठ पूजा में शामिल हुए। आप विधायक दुर्गेश पाठक ने भी अपने विधानसभा में पूसा परिसर, नारायणा विहार समेत डीडीए पार्क में पूजा आयोजन में लोगों के साथ शामिल हुए।

> मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली सरकार बनने के बाद राजधानी में छठ पूजा का विस्तार हुआ है। पूरी दिल्ली में 11 सौ से अधिक घाटों पर पूजा हो रही है। कोरोना की वजह से थोड़ी रुकावट आई थी लेकिन इस साल हर्षोल्लास के साथ पूजा आयोजित हो रही है।
>
> -गोपाल राय, पर्यावरण मंत्री दिल्ली सरकार

पूजा आयोजनों में निगम चुनावों का भी असर : छठ पूजा आयोजन स्थलों पर आगामी निगम चुनावों का भी असर दिया। चुनाव का ही असर था कि भाजपा के सांसद मनोज तिवारी से लेकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार के अलावा दिल्ली सरकार के कई विधायक व मंत्री पूजा आयोजन स्थलों पर सक्रियता से भागीदारी करते नजर आए। चूंकि दिल्ली में बड़ी संख्या में पूर्वांचल के लोग रहते हैं जो निगम चुनाव के दौरान कई वार्ड में नतीजा प्रभावित करने वाली स्थिति में हैं।

पाबंदी पर निगरानी के लिए पांच सौ से ज्यादा टीम तैनात

रणनीति

नई दिल्ली, प्रमुख संवाददाता। राजधानी दिल्ली में निर्माण और ध्वस्तीकरण के कामों पर रोक लगाने के लिए पांच सौ से ज्यादा टीमों को तैनात किया गया है। इसके साथ ही धूल बैठाने के लिए पानी पर भी जोर दिया जा रहा है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने रविवार को अधिकारियों के साथ बैठक कर दिल्ली में ग्रैप के तीसरे चरण की पाबंदियों को लागू करने की रणनीति तय की।

बैठक के बाद आयोजित पत्रकार वार्ता में पर्यावरण मंत्री ने कहा कि विशेषज्ञों की राय है कि एक नवंबर से हवा की गति चार से आठ किलोमीटर प्रति घंटा रहने का अंदेशा है। हवा की दिशा उत्तर-पश्चिमी होने का अनुमान है। इसकी वजह से दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 से ऊपर जा सकता है। इसे देखते हुए केन्द्रीय वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने ग्रैप के तीसरे चरण को लागू करने के आदेश दिए हैं। पर्यावरण मंत्री ने बताया कि दिल्ली के अंदर निर्माण से जुड़ी एजेंसियों के साथ बैठक की गई है।

इसमें पीडब्लूडी, सीपीडब्लूडी, डीडीए व निर्माण के काम में लगी अन्य एजेंसियों, पर्यावरण विभाग और डीपीसीसी के अधिकारी शामिल रहे। उन्होंने बताया कि ग्रैप के तीसरे चरण की पाबंदियों को लागू करने के लिए मजबूत निगरानी तंत्र तैयार किया गया है। पर्यावरण मंत्री ने कहा कि अक्सर ही यह देखने में आता है कि आदेश हो जाता है लेकिन उसका क्रियान्वयन नहीं हो पाता है। पाबंदी के बावजूद निर्माण व ध्वस्तीकरण गतिविधियां चलती रहती हैं।

इसलिए बैठक के बाद कुल 586 टीमों का गठन किया गया है। यह टीमें निर्माण व ध्वस्तीकरण स्थलों का लगातार निरीक्षण करेंगी और पाबंदी को लागू कराएंगी। उन्होंने कहा कि निर्माण व ध्वस्तीकरण पर लगी पाबंदी पर कुछ विभागों को छूट दी गई हैं।

आनंद विहार और विवेक विहार पर विशेष नजर

पर्यावरण मंत्री ने कहा कि आनंद विहार और विवेक विहार के निगरानी केन्द्रों पर वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 अंक से ऊपर रहा। इसके पीछे वहां पर चल रहे निर्माण कार्य की भूमिका है। निर्माण संस्थाओं को धूल प्रदूषण से संबंधित नियमों का कड़ाई से पालन करने को कहा गया है। जबकि, 15 एंटी स्मोग गन की तैनाती भी की गई है। इसके अलावा निगम ने सात वॉटर स्प्रिंकलर मशीनें भी तैनात की हैं।

डीजल वाहनों पर अंकुश लगाया जाए

पर्यावरण मंत्री ने कहा कि आनंद विहार में प्रदूषण का स्तर ज्यादा होने का एक कारण उत्तर प्रदेश के हिस्से में डीजल वाहनों की बड़ी संख्या भी है। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार से निवेदन किया कि डीजल की बजाय सीएनजी बसों का संचालन किया जाए। ताकि, प्रदूषण के स्तर को कम किया जा सके।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS----------DATED----------

अवैध निर्माणकर्ताओं से उगाही स्वीकार्य नहीं : अरोड़ा

पुलिस आयुक्त ने कहा- कानून व उसके प्रवर्तकों पर जनता का विश्वास ही हमारी सफलता

संजय अरोड़ा

- आयुक्त ने जारी किया स्टैंडिंग आर्डर, माना- ऐसे आचरण से पेशेवर पुलिस की छवि होती है धूमिल
- अवैध निर्माण के संदर्भ में जानकारी होने पर या सूचना मिलने पर पुलिस को नहीं कार्रवाई करने का अधिकार
- अवैध निर्माण की जानकारी मिलने पर नगर निगम, डीडीए व अन्य संबंधित एजेंसियों को सूचित करने के निर्देश

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : माना जाता है कि राजधानी में अपनी या सरकारी जमीन, कहीं भी बगैर पुलिसकर्मी को रिश्वत दिए एक ईंट तक नहीं जोड़ा जा सकता है। निर्माण की सूचना मिलते ही बीट स्टाफ से लेकर पीसीआर, थाना पुलिस और भूमि से संबंधित एजेंसी के कर्मचारी वहां टूट पड़ते हैं। कहीं पूरी बिल्डिंग निर्माण करने के बदले में एकमुश्त रकम मांगी जाती है, तो कहीं लेंटर और स्क्वायर फुट के हिसाब से पैसों की मांग की जाती है। न देने पर निर्माण कार्य करना असंभव हो जाता है। ऐसे में राजधानीवासियों के लिए पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा ने सुकून भरी खबर दी है। उन्होंने 22 अक्टूबर को स्टैंडिंग आर्डर जारी किया है, जिसमें साफ कहा गया है कि पुलिसकर्मी अवैध निर्माणकर्ताओं से उगाही करने से बाज आएं। अगर किसी पुलिसकर्मी को कहीं किसी तरह के अवैध निर्माण की जानकारी मिलती है, तो उसकी तस्वीरें खींचकर और संबंधित पक्ष से बयान आदि लेकर नगर निगम, डीडीए व अन्य संबंधित एजेंसियों को सूचित करें। बता दें कि इस तरह आदेश पहले भी कई बार जारी हो चुके हैं, लेकिन पुलिसकर्मी कुछ दिन बाद ही इसकी अनदेखी शुरू कर देते हैं।

आदेश में कहा गया है कि आए दिन अवैध निर्माण करने वालों से पुलिसकर्मियों द्वारा उगाही करने जैसे अनाचरण की शर्मनाक शिकायतें मिलती रहती हैं। इससे देश की सबसे बड़ी पेशेवर पुलिस बल की छवि धूमिल होती है। आयुक्त ने कहा है कि दिल्ली में सुशासन की अनेक चुनौतियों में से एक अवैध निर्माण भी है। प्राथमिक रूप से यह नगर निगम और अन्य भूमि नियोजन संस्थाओं के अधिकार क्षेत्र का मामला है, पर राज्य की विधि प्रवर्तन शाखा होने के नाते दिल्ली पुलिस की भी इसके प्रति अहम जिम्मेदारी बनती है। कानूनन अवैध निर्माण के संदर्भ में पुलिस की भूमिका केवल संबंधित एजेंसियों को सूचना देने की है। इसके अलावा पुलिस को आगे हस्तक्षेप का अधिकार तभी होता है, जब संबंधित एजेंसी द्वारा अवैध निर्माण रोकने, कामगारों को हटाने व निर्माण संबंधी सामग्री को जब्त करने के निर्देश प्राप्त हो। इस निर्देश का पालन भी कैसे किया जाए, उसके मापदंड भी तय हैं। दिल्ली पुलिस को उसी सूरत में हस्तक्षेप करने का अधिकार है जहां सरकारी जमीन पर अतिक्रमण की सूचना मिले या अतिक्रमण उनके सामने हो रहा हो। आयुक्त का कहना है कि कानून और उसके प्रवर्तकों पर जनता का विश्वास ही हमारी सफलता की सर्वोत्तम कुंजी है। इस विश्वास के साथ किसी तरह का समझौता स्वीकार्य नहीं होगा। बीट, बाजार, आवासीय कालोनियों में तैनात पुलिसकर्मियों को अपनी जिम्मेदारी साफ पता होनी चाहिए। इसमें किसी अपवाद या कोताही की गुंजाइश नहीं होगी। आयुक्त ने कहा कि स्टैंडिंग आर्डर सभी के आचरण में शामिल होना चाहिए। इसका निरंतर पालन हो। सभी अधिकारियों की भी जिम्मेदारी है। किसी भी चूक के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।

उपराज्यपाल ने एनडीएमसी में की ओएसडी की नियुक्ति

निहाल सिंह ● नई दिल्ली

दिल्ली सरकार से लेकर दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में सुधारों की कोशिश में जुटे एलजी वीके सक्सेना अब नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) पर भी नजर रखेंगे। इसके लिए उनके सचिव सुरेंद्र सिंह को एनडीएमसी में आफिसर आन स्पेशल ड्यूटी (ओएसडी) की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी गई है। एलजी अब सुरेंद्र सिंह के जरिये ही एनडीएमसी की परियोजनाओं पर नजर रखेंगे। अगर, कुछ त्वरित सुधार करने होंगे तो इस पर निर्णय भी ले सकेंगे।

उत्तर प्रदेश कैडर में 2005 के आइएएस अधिकारी सुरेंद्र सिंह को सितंबर में ही एलजी का सचिव नियुक्त किया गया था। इससे पूर्व वह मेरठ मंडल के कमिश्नर और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ का पद संभाल रहे थे। दिल्ली के सेवा विभाग ने बृहस्पतिवार को ही सुरेंद्र सिंह को एनडीएमसी में ओएसडी नियुक्त करने का आदेश जारी किया है। स्वच्छ सर्वेक्षण-2022 में एनडीएमसी की रैंकिंग में आई गिरावट की चहुंओर आलोचना हो रही है, क्योंकि कभी श्रेष्ठ प्रदर्शनों के लिए पहला स्थान हासिल करने वाली एनडीएमसी आज तीसरे स्थान पर आ गई। विभिन्न सर्वेक्षण में भी एनडीएमसी की साफ-सफाई व्यवस्था पर भी सवाल उठते रहे हैं। उपराज्यपाल पद की शपथ लेने के बाद वीके सक्सेना ने एनडीएमसी इलाके में पौधारोपण और मार्गों की सुंदरता को लेकर निरीक्षण किया था। इतना ही नहीं, इसी वर्ष 30 मई को आई आंधी में गिरे पेड़ों के कारण पैदा हुई विकट स्थिति पर एलजी ने स्वयं निगरानी करते हुए पेड़ों की छंटाई करवाई थी।

एनडीएमसी की लगभग तीन वर्ष में स्मार्ट सिटी की कई परियोजनाएं सिरे नहीं चढ़ पाई हैं, जबकि एनडीएमसी राष्ट्रीय राजधानी में हैं। पैनिक बटन से लेकर ई-स्कूटर जैसी सुविधाएं दूसरे निकाय शुरू कर चुके हैं। इतना ही नहीं, कंट्रोल कमांड सेंटर शुरू करने में भी कई राज्य अव्वल रहे थे। उसके बाद एनडीएमसी इलाके में यह सुविधा शुरू हो पाई। विकास कार्यों के लंबित होने से एनडीएमसी की छवि भी धूमिल हो रही है। ओएसडी की नियुक्ति के जरिये राजनिवास से सभी योजनाओं की निगरानी होगी और विकास कार्यों को गति दी जा सकेगी।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

नई दिल्ली। शनिवार • 29 अक्टूबर • 2022 राष्ट्रीय सहारा

छठ पूजा को लेकर एलजी ने सीएम को लिखा पत्र

नई दिल्ली (एसएनबी)। राजधानी में छठ पूजा के आयोजन की तैयारियों को लेकर उप-राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर छठ घाटों पर चाक चौबंद व्यवस्था करने को कहा है। शुक्रवार को लिखे पत्र में एलजी से कहा है कि 840 घाटों को पूजा के लिए अधिकृत किया गया है। इन घाटों पर साफ-सफाई से लेकर बिजली, पानी समेत सभी तरह की व्यवस्था की जाए। बिहार एवं पूर्वांचल के लोगों के लिए यह सबसे बड़ा आध्यात्मिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्व है। लाखों लोग इस महापर्व को बड़ी श्रद्धा और शिद्दत के साथ मनाते हैं। पत्र के मुताबिक दिल्ली में कुछ घाट ऐसे भी हैं, जहां 10 हजार से 40 हजार तक श्रद्धालु पूजा करने के लिए आते हैं। बीते दो साल से कोरोना महामारी की वजह से श्रद्धालु इस पर्व को मनाने से वंचित रहे। इस वजह से ही इस बार इसका महत्व और बढ़ गया है। इस आयोजन में दिल्ली पुलिस, एनडीएमसी एवं डीडीए को भी सहयोग करने का निर्देश दिया है।

छठ पूजा के लिए 840 घाट अधिकृत

पूजा घाटों पर चाक चौबंद व्यवस्था करने पर दिया जोर

पूर्वांचल के लोगों के लिए आध्यात्मिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्व : एलजी

उप-राज्यपाल ने पत्र में लिखा है कि सभी छठ पूजा घाटों की नियमित सफाई की जाए। सरकार यह सुनिश्चित करे कि पूजा घाटों पर श्रद्धालुओं को सभी तरह की सुविधाएं आसानी से उपलब्ध हों। श्रद्धालुओं की सहायता के लिए पर्याप्त संसाधन मुहैया कराने के साथ ही सरकारी कर्मियों की तैनाती की जाए। इसके लिए जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को सूचित किया जाए और सोशल मीडिया पर भी जानकारी उपलब्ध कराई जाए। घाटों से कूड़े को उठाने की नियमित व्यवस्था के साथ ही श्रद्धालुओं के साथ पर्यावरण फ्रेंडली व्यवहार हो। घाटों पर सुरक्षा के मद्देनजर खतरनाक स्थलों को चिह्नित करके पर्याप्त संख्या में वोट्स एवं गोताखोर लगाने की जरूरत है। सुरक्षा को लेकर किसी तरह की लावरवाही नहीं बरती जाए। पत्र में भलस्वा झील, वजीराबाद, सोनिया विहार, मैदान गढ़ी, कालिंदी कुंज, बुद्ध विहार (उत्तर नगर) समेत कुछ घाटों का पत्र में विशेष रूप से उल्लेख करते हुए कहा गया है कि इन घाटों पर 10 से 40 हजार तक श्रद्धालु पूजा के लिए आते हैं। ऐसे घाटों पर विशेष व्यवव्था करने की जरूरत है। संबंधित विभाग मिशन मोड में रहें, जिससे श्रद्धालुओं को किसी तरह की असुविधा न हो।

पंजाब केसरी

यमुना में झाग से एलजी चिंतित, सीएम को पत्र

कहा, जहरीले झाग की समस्या से निपटा जाए

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) :यमुना में झाग की समस्या पर चिंता जताते हुए उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखा है। शुक्रवार को लिखे गए इस पत्र में उन्होंने सीएम से यमुना में जहरीले झाग के मुद्दे से निपटने के लिए कहा है। उन्होंने कहा है कि यह दिल्ली सरकार की जिम्मेदारी है कि वह रविवार को त्योहार से पहले छठ पर घाटों की साफ-सफाई का खास ख्याल रखे। सक्सेना ने अपने पत्र में लिखा, 'यमुना में झाग और प्रदूषण का मुद्दा गंभीर चिंता का विषय है।

अगर इसे छोड़ दिया गया तो यह भक्तों के लिए हानिकारक साबित हो सकता है। इसलिए इसका तत्काल निदान करने की आवश्यकता है।' एलजी ने छठ घाट पर खतरे के क्षेत्र को चिह्नित करने, दुर्घटना से बचने के लिए गहरे पानी की बैरिकेडिंग, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, गोताखोरों की तैनाती और बचाव नौकाओं जैसे सुरक्षा उपायों को सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला है। उपराज्यपाल ने कहा है कि कुछ निर्दिष्ट घाटों जैसे भलस्वा झील, वजीराबाद-सोनिया विहार, बादली, बवाना औद्योगिक क्षेत्र, मैदान गढ़ी, कालिंदी कुंज और बुद्ध बाजार-उत्तम नगर में छठ पर लगभग 10,000 से 40,000 लोगों के मौजूद रहने की उम्मीद है। एलजी ने अपने पत्र में कहा, 'भीड़ प्रबंधन के लिए उचित योजना बनाने और सभी जगहों पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए दिल्ली पुलिस के साथ पहले ही चर्चा की जा चुकी है।' सक्सेना ने कहा कि उस दिन, बड़ी संख्या में भक्त दिल्ली भर के तालाबों, नदियों, जलाशयों, झीलों और इसी तरह के जल निकायों में उगते और डूबते सूरज की पूजा करने के लिए इकट्ठा होते हैं। उन्होंने कहा कि कोविड -19 महामारी के कारण उत्सव पर लगाए गए दो साल के प्रतिबंध के बाद, लाखों लोग दिल्ली भर में छठ का त्योहार मनाने के लिए तैयार होंगे। "यह मेरे संज्ञान में लाया गया है कि संबंधित विभागों द्वारा इस उद्देश्य के लिए 840 से अधिक साइटों की पहचान की गई है और उन्हें नामित किया गया है। उन्होंने कहा, "बड़ी सभाओं को देखते हुए, प्रशासन की ओर से यह अनिवार्य हो जाता है कि वह इस उत्सव में कोई कसर न छोड़ें।" उपराज्यपाल ने छठ घाटों पर सफाई की आवश्यकता और त्योहार के लिए जनशक्ति और रसद की व्यवस्था पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली नगर परिषद, दिल्ली नगर निगम और दिल्ली विकास प्राधिकरण को भी अपने अधिकार क्षेत्र में साफ-सफाई सुनिश्चित करने और अन्य सुविधाओं की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया है।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

the pioneer
NEW DELHI | SATURDAY | OCTOBER 29, 2022
DATED

L-G asks CM to deal with froth in Yamuna before Chhath puja

STAFF REPORTER ■ NEW DELHI

Taking congnizance of foam formation at certain places in the Yamuna River, Delhi Lieutenant-Governor (L-G) VK Saxena wrote to Arvind Kejriwal asking him to deal with the issue of froth in the river before the festival on Sunday. In a letter, the L-G said that this was a matter of grave concern and if left unattended it may prove to be injurious to devotees and directed the Chief Minister to resolve it urgently.

The L-G, stated that Chhath Puja is one of the biggest festivals associated with the spiritual, cultural and religious faith of millions of people. It involves large number of devotees gathering at water bodies such as ponds, rivers, reservoirs and lakes across Delhi to worship the rising and setting sun.

According to reports, the Delhi Government has built around 1,100 ghats for Chhath Puja across the city.

Saxena said that the people in lakhs would be gearing up for celebrating the festival of Chhath across Delhi after two years of restrictions imposed on festivities due to the Covid-19 pandemic. The L-G said that more than 840 sites have been identified and designated for this purpose by the departments concerned. Anticipating large gatherings this year and keeping in mind the zeal and fervour with which the festival is celebrated, it becomes imperative on part of the administration to leave no stone unturned in the unfettered organization the festival at all designated Chhath Puja Ghats, with utmost professionalism.

Saxena said that it is the responsibility of the Government to ensure cleanliness at the Ghats before the festival, during and after the religious ceremony is also of paramount importance.

The L-G said that this is necessary that sufficient manpower and logistics must be put in place well before time at all sites. Simultaneously, relevant information in this regard along with messages creating awareness and urging people regarding the same must be put in public domain. Saxena also said that this would facilitate the people and also ensure environment-friendly behaviour by way of prohibiting single use plastic, methodical disposal of waste at Ghats, waste collection measures etc. at places where offerings are to be made by the devotees.

The L-G also asked the Chief Minister to put requisite safety measures at all Ghats including marking of danger zone, barricading of deep waters to avoid any untoward incident, adequate lighting, deploying divers and rescue boats, etc.

Saxena also underlined some of the designated Ghats like Bhalswa lake, Wazirabad-Sonia Vihar, Badli, Bawana Industrial Area, Maidan Garhi, Kalindi Kunj, Budh Bazar-Uttam Nagar amongst others, where large congregation of devotees ranging from 10,000 to 4,00,00 is expected to be present. To facilitate the devotees, he said that proper planning for crowd management and securing law and order at all sites has already been discussed with Delhi Police.

The L-G informed that civic bodies in the city including NDMC, Municipal Corporation of Delhi MCD and Delhi Development Authority have also been directed to ensure cleanliness and make arrangements for other civic amenities under their jurisdiction in mission mode.

Heavy pollution and toxic foam seen in river Yamuna ahead of Chhath Puja near Kalindi Kunj in New Delhi on Friday.
Ranjan Dimri | Pioneer

BJP leaders thank L-G for making Chhath dry day

STAFF REPORTER ■ NEWDELHI

Lieutenant-Governor (L-G) VK Saxena on Friday declared Chhath Puja as a 'dry day' in the Capital. This is the first time a dry day will be observed on the occasion of Chhath Puja in the city.

The Opposition parties, both the BJP and the Congress, had demanded that Chhath Puja day should be declared a dry day. On Wednesday, the Delhi Congress had also sought a public holiday to be declared on the occasion of Chhath Puja.

Following the announcement, BJP MP Manoj Tiwari said, "the L-G has taken the decision of declaring 'dry day' on Sunday as per Section 2 (35) of the Delhi Excise Act, 2009, on the occasion of Chhath Puja."

Gupta took to Twitter to thank the L-G for accepting his plea. "Thank you@LtGovDelhi Shri Vinay Saxena' ji, for accepting the demand of Delhi BJP to declare "Chhath Mahaparv" as a dry day. This is the victory of all the brothers and sisters of Purvanchal. The BJP always stands for the public interest," he tweeted in Hindi.

According to reports, the Delhi Government has built around 1,100 ghats for Chhath Puja across the city.

BJP, AAP spar as Parvesh Verma misbehaves with DJB officer

STAFF REPORTER ■ NEWDELHI

The BJP and the ruling AAP continued to spar over the cleaning of the Yamuna River on Friday, with BJP MP Parvesh Verma landing in a controversy after a video showed him using inappropriate language while talking to an official of the Delhi Jal Board (DJB).

After this video, the AAP came down heavily on the BJP leaders who in a video were seen rebuking DJB officals for using a chemical to defoam the Yamuna, and alleged that the party was obstructing Chhath preparations.

In the video, Verma is heard asking a DJB official to take dip in the river and also calling him "*besharam, ghatiya aadmi* (shameless, horrible person)". "*Tu yahan pe dubki laga chal. Yahan pe log ayenge dubki lagane, tu lagake dikha pehle.* (People will come over here to take a dip in the river. You take a dip in the river.)," he said.

In the video, the official is also heard explaining that the chemical being put in the river is US FDA approved and is also cleared by National Mission for Clean Ganga (NMCG) for the use of cleaning the river.

To this Verma retorts, "*Tere sar pe daal doon?* (should I put this chemical on your head.)"

The video was shared by AAP MLA and DJB Vice-Chairman Saurabh Bharadwaj on Twitter. Verma is heard saying to the official that "*aath saal me yaad aya ki ye approved hai. Yahan logon ko maar rahe ho tum, aath saal mein tum isko saaf nahin kar paaye. Isme dubki lagao.* (After eight years, you have remembered now that it is approved? You are killing people here.

In eight years you could not clean it. Take a dip in the river now)," Verma is heard saying to the official.

In a subsequent tweet posted by Bharadwaj, some men can be seen countering Verma and other BJP leaders who had accompanied him, saying they only want the Yamuna River to be cleaned and don't care about which party is getting that done. "Delhi Government is preparing for Chhath Puja and BJP leaders are stopping work and misbehaving (with officials). The BJP wants Purvanchali brothers to suffer and festival to get spoiled," Bharadwaj said in a tweet in Hindi.

The AAP and the BJP have been targeting each other over the issue of Chhath Puja and pollution in the city river

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

पंजाब केसरी DELHI 31 अक्तूबर, 2022 ▶ सोमवार
NAME OF NEWSPAPER ---------- DATED ----------

दिल्ली में 521 वाटर स्प्रिंगलिंग मशीनें, 233 एंटी स्मॉग गन, 150 मोबाइल एंटी स्मॉग गन पानी का छिड़काव कर रही हैं: गोपाल राय

दिल्ली में निर्माण कार्यों की निगरानी के लिए सरकार ने गठित की 586 टीम

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण की समस्या को देखते हुए निर्माण एवं विध्वंस कार्यों पर रोक लगा दी गई है। सीक्यूएएम के आदेश पर दिल्ली में ग्रेप के तीसरे चरण की पाबंदियों को लागू करने का निर्णय लिया गया है। निर्माण कार्यों पर रोक की निगरानी के लिए 586 टीमें बनाई गई हैं। दिल्ली में 521 वाटर स्प्रिंगलिंग मशीनें, 233 एंटी स्मॉग गन, 150 मोबाइल एंटी स्मॉग गन पानी का छिड़काव कर रही हैं। गोपाल राय ने आज सिविल लाइंस स्थित आवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि सर्दियों में प्रदूषण का स्तर बढ़ने की बायोमास बर्निंग, वाहनों का प्रदूषण और धूल वजह होती है। इसके साथ-साथ सर्दियों में हवा की गति कम होती है। जब मैट्रोलाजिकल कंडिशन में बदलाव होता है, तब हवा की स्पीड कम होती है। हवा का रूख का बदलता है। तब दिल्ली के प्रदूषण में वृद्धि होती है। सीक्यूएएम (कमीशन फार एयर क्लवालिटी मैनेंजमेंट) के निर्देशानुसार हवा की गुणवत्ता (एक्यूआई) का अनुमान लगाकर तीन दिन पहले से ही ग्रेप के

गोपाल राय

विभिन्न चरणों का लागू किया जाएगा। विशेषज्ञों की राय के अनुसार 1 नवंबर से हवा की गति 4 से 8 किलोमीटर प्रतिघंटा होने का अंदेशा है। हवा का रूख उत्तर-पश्चिम होने का अनुमान है। जिसकी वजह से दिल्ली का एक्यूआई 400 से ऊपर जा सकता है, जो सिवियर कैटेगरी है। इसलिए सीक्यूएएम ने कल मीटिंग कर आदेश जारी किया है कि ग्रेप के तीसरे चरण को लगू किया जाए। हमने दिल्ली के अंदर कंस्ट्रक्शन से जुड़ी हुई एजेंसियों के साथ बैठक की। इसमे पीडब्लूडी, सीपीडब्लूडी, डीडीए तथा अन्य कंस्ट्रक्शन के काम में लगी एजेंसियां, पर्यावरण विभाग और डीपीसीसी के अधिकारी शामिल थे।

सीक्यूएएम के आदेश पर पाबंदियों को लागू करने का लिया निर्णय

गोपाल राय ने कहा कि सीक्यूएएम के आदेश के अनुसार में दिल्ली ग्रेप के तीसरे चरण की पाबंदियों को लागू करने का निर्णय लिया है। उसके क्रियान्वयन के लिए एक मजबूत ऑनिटरिंग सिस्टम तैयार किया है। कंस्ट्रक्शन पर बैन के आदेश के बावजूद भी गतिविधियां चलती रहती हैं। इसलिए आज की बैठक के बाद कुल 586 टीमों का गठन किया है जो कि लगातार निर्माण/विध्वंस स्थलों का निरीक्षण करेंगी। इसमें में डीएमअरसी की 165, एनडीएमसी की 1, पीडब्लूडी की 6, दिल्ली कंटेनमेंट बोर्ड की 4, एमसीडी की 300, सीपीडब्लूडी की 6, डीपीसीसी की 33, डीएसआईडीसी की 20, डीडीए की 33, डीजेबी की 14, रेवेन्यु की 165 तथा आई एंड एफसी और एनएचआई की एक-एक टीमें हैं।

कुछ विभागों को छूट, निर्देशों का करना पड़ेगा पालन

राय ने कहा कि ऐसे में दिल्ली के अंदर आज से निर्माण तथा विध्वंस की गतिविधियों पर बैन लगाया जा रहा है। जिसकी निगरानी ये टीमें करेंगी। पहले ये टीमें धूल प्रदूषण के नियमों का उल्लघंन न हो, इसका निरीक्षण कर रहीं थी। निर्माण तथा विध्वंस पर बैन से कुछ विभागों को छूट दी जा रही है लेकिन उन्हें निर्माण तथा विध्वंस के लिए जारी दिशा-निर्देशों का पालन करना पड़ेगा।

इन विभागों को मिलेगी छूट...

रेलवे स्टेशन, मेट्रो, हवाई अड्डे, राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित निर्माण तथा विध्वंस साइट, अंतर्राज्यीय बस अड्डे, अस्पताल, सड़क एवं राजमार्ग, फ्लाईओवर, बिजली, सीवर लाइन, स्वच्छता परियोजनाओं पर निर्माण संबंधी छूट रहेगी। इसके साथ-साथ दिल्ली के अंदर जो इंटीरियर वर्क है, जैसे प्लम्बिंग का कार्य, बिजली फिटिंग का कार्य, फर्निचर का काम की छूट रहेगी। निर्माण तथा विध्वंस स्थलों पर बोरिंग, ड्रिलिंग, खुदाई तथा भराई के काम पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। निर्माण एवं बिल्डिंग संचालन सहित तमाम संरचनात्मक निर्माण कार्य है, उसपर पूरी तरह बैन रहेगा। विध्वंस के कार्य पर पूरी तरह बैन रहेगा। निर्माण तथा विध्वंस साईट पर लोडिंग अनलोडिंग पर बैन रहेगा।

दिल्ली सरकार ने प्रदूषण के लिए यूपी की डीजल बसों को जिम्मेदार ठहराया

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) :दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण स्तर के लिए पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने भाजपा को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि भाजपा जिस तरह से व्यवहार कर रही है उससे ऐसा लग रहा है कि वो चाहती है कि दिल्ली में प्रदूषण बढ़े, इसकी कोशिश भाजपा लगातार कर रही है। उन्होंने ये भी कहा कि यूपी सरकार से निवेदन है कि दो जगह आनंद विहार और विवेक विहार पर एक्यूआई बढ़ रहा है। वहां पर डीजल बसें चलाई जा रही हैं इसके बजाय सीएनजी बसों का इस्तेमाल किया जाए। तो वहीं उन्होंने पराली जलाने की घटनाओं पर कहा कि अभी रिपोर्ट है कि 1800 जगहों पर पराली जलाई जा रही है। इससे उतना खतरा नहीं है लेकिन 1 नवंबर से हवा बदलेगी तो दिक्कत होगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में और आसपास के इलाके में सर्दी में प्रदूषण बढ़ता है जिसकी दो तीन वजह है, पहला धूल, दूसरा गाड़ियों की वजह से। इसके अलावा मेट्रोलॉजिकल सिचुएशन जैसे हवा का रुख बदलता है तो वो भी प्रदूषण में बढ़ोतरी करता है।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

पंजाब केसरी
DELHI

31 अक्तूबर, 2022 ▶ सोमवार

NAME OF NEWSPAPERS----------DATED----------

दिल्ली में केजरीवाल सरकार ने छठ पूजा के बेहतर आयोजन किए: सिसोदिया

छठ घाटों पर पहुंचे विधायक और मंत्री, की पूजा-अर्चना

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : छठ पूजा के आयोजन को बेहतर बनाने के लिए आम आदमी पार्टी ने रविवार को पूरी ताकत झोंक दी। दिल्ली सरकार के मंत्रियों से लेकर विधायकों और कार्यकर्ताओं ने छठ घाटों का जायजा लिया। छठ पूजा से पहले तमाम व्यवस्थाओं को अपनी मौजूदगी में दुरुस्त करवाया। इसके बाद श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया।

उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने पटपड़गंज और पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने पुस्ता के प्रधान एन्क्लेव स्थित त्यागी छठ घाट का निरीक्षण किया। इसके अलावा आम आदमी पार्टी के विधायक दुर्गेश पाठक ने नारायणा विहार क्लब स्थित डीडीए पार्क, विधायक दिलीप पांडे ने मुखर्जी नगर स्थित सिगनेचर अपार्टमेंट, विधायक संजीव झा ने प्रधान एनक्लेव में तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए व्रतियों से भी उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने मुलाकात की। उन्होंने कहा कि दिल्ली में केजरीवाल सरकार ने छठ पूजा के शानदार इंतजाम किए हैं। श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ा है। दिल्ली में केजरीवाल सरकार बनने के बाद लगातार छठ पूजा के आयोजन बेहतर किए गए हैं। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली में सीएम अरविंद केजरीवाल बनने के बाद राजधानी में छठ पूजा का विस्तार हुआ है। पूरी दिल्ली में 11 सौ से अधिक घाटों पर छठ पूजा हो रही है। कोरोना की वजह से इसमें थोड़ी रुकावट आई थी लेकिन इस साल हर्ष उल्लास के साथ छठ पूजा का आयोजन हो रहा है। आम आदमी पार्टी के एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने कहा कि छठ महापर्व पर छठी माता सभी को सुखी रखें। भगवान सूर्य आप सबको सुख, शांति, संपन्नता प्रदान करें।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

the pioneer ----DATED----
NEW DELHI | MONDAY | OCTOBER 31, 2022

Sisodia, AAP Mins take part in Chhath celebrations

STAFF REPORTER ■ NEW DELHI

Delhi Ministers and MLAs took part in the Chhath Puja celebration in their areas. Earlier they inspected the ghats to take stock of the preparations.

Delhi Environment Minister Gopal Rai alongwith Burari MLA Sanjiv Jha took part in the chhath puja celebration in Burari. Rai also participated in the Babarpur chhath puja samiti programme.

Revenue Minister Kailash Gahlot participated in the Jai Vihar-Najafgarh ghat. Deputy Chief Minister Manish Sisodia also visited ghats to take blessing from devotees. Durgesh Pathak went to Pusa ghat to take part in the chhath puja.

Earlier, Delhi Ministers and MLAs on Sunday inspected ghats and parks in various areas in Delhi to take stock of the preparations for the Chhath.

Sisodia inspected the Tyagi Chhath Ghat at Patparganj and Environment Minister Gopal Rai inspected the ghat at Pradhan Enclave.

Delhi Revenue Minister Kailash Gahlot on Sunday visited Chhath Ghats in Qutub Vihar and Dabri Mor to take stock of preparations for the festival.

Sisodia met the devotees while taking stock of the arrangements. He said that the Kejriwal Government has made great arrangements for Chhath Puja in Delhi.

"The devotees did not face any kind of difficulties. After the formation of the Kejriwal government in Delhi, the celebrations of Chhath Puja have been greatly improved," he said. During the visit Gahlot checked preparations regarding sanitation, lighting, water supply, making of temporary ponds, installation of CCTVs among others.

At Dabri Mor Chhath Ghats, Gahlot also interacted with fasting women and asked them about preparation regarding the festival.

"Just went to Qutub Vihar-Matiala and inspected the Chhath Puja Ghat. People are very happy with the arrangements made by Delhi government.

The members of Chhath Committee expressed their gratitude to Chief Minister Arvind Kejriwal area MLA Gulab Singh Yadav," Gahlot tweeted after the visit.

Delhi Jal Board Vice Chairman and AAP MLA Saurabh Bharadwaj also visited Chhath Ghats at Astha Kunj in East of Kailash area and took stock of preparations there.

Apart from this, Aam Aadmi Party MLA Shri Durgesh Pathak took note of the preparations at DDA Park, Naraina Vihar Club.

MLA Shri Dilip Pandey inspected the Signature Apartment Ghat in Mukherjee Nagar, and MLA Sanjeev Jha took stock of the preparations in the Pradhan Enclave.